1068985

No. of Printed Pages : 7

BPYE-001

B. A. PHILOSOPHY (BDP)

Term-End Examination

December, 2019

BPYE-001 : PHILOSOPHY OF RELIGION

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer all the five questions. All questions carry equal marks. Answer to Question Nos. 1 and 2 should be in about **400** words each.*

1. Explain the nature of religion and its relation to Philosophy of Religion. 20

Or

What are the traditional arguments for proving the existence of God ? Explain in detail.

2. Write a critical essay on attributes of God. 20

Or

What is Religious Experience ? Explain mysticism as the intense form of religious experience.

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each : 10 each

 (a) Define 'Atheism' and 'Agnosticism'. Provide various arguments in favour of them.

 (b) Explain the significance of religious language.

 (c) Elaborate interreligious or interfaith dialogue.

 (d) Is religion the opium of people ? Discuss Marx's views on religion.

4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each : 5 each

 (a) Describe as to how religious tolerance is an important motive of Religious Pluralism.

 (b) What do you understand by 'immediate luminousness' ?

 (c) How will you make the difference between religious feeling and feeling of sublime ?

(d) Does every world view qualify as a religion ?

(e) What is Problem of Evil ? Explain.

(f) Describe religious fundamentalism.

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each : 4 each

(a) Theism

(b) Totemism

(c) Mana

(d) Pranis

(e) Trementum

(f) Omniscience

(g) Rationalism

(h) Ecumenism

बी.पी.वाई.ई.-001

बी. ए. दर्शनशास्त्र (बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2019

बी.पी.वाई.ई.-001 : धर्म दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

---

*नोट : सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न संख्या 1 और 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।*

---

1. धर्म की प्रकृति एवं धर्म दर्शन के साथ इसके सम्बन्ध की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए परम्परागत तर्क (युक्तियाँ) क्या हैं? विशद व्याख्या कीजिए।

2. ईश्वर के गुणों पर एक आलोचनात्मक निबन्ध लिखिए। 20

अथवा

धार्मिक अनुभव क्या है? गहन धार्मिक अनुभव के रूप में रहस्यवाद की व्याख्या कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 10

(क) निरीश्वरवाद एवं अज्ञेयवाद को परिभाषित कीजिए। उनके समर्थन में दी गई युक्तियाँ भी दीजिए।

(ख) धार्मिक भाषा के महत्व की व्याख्या कीजिए।

(ग) अन्त:धार्मिक अथवा अन्तर्धार्मिक संवाद का वर्णन कीजिए।

(घ) क्या धर्म जनता की अफीम है? मार्क्स के धर्म सम्बन्धित विचारों की चर्चा कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 5

(अ) धार्मिक बहुलतावाद के लिए धार्मिक सहिष्णुता किस प्रकार एक महत्त्वपूर्ण प्रेरक है, वर्णन कीजिए।

(ब) 'तात्कालिक प्रदीप्तता' से आप क्या समझते हैं?

(स) धार्मिक अनुभव एवं उदात्त (sublime) के अनुभव के मध्य आप भेद कैसे स्थापित करेंगे?

(द) क्या प्रत्येक विश्वदृष्टि धर्म हो सकती है?

(इ) अशुभ की समस्या क्या है? समझाइए।

(फ) धार्मिक रूढ़िवाद का वर्णन कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 4

(अ) ईश्वरवाद

(ब) टोटमवाद

(स) माना

(द) आचार (Pranis)

(इ) तर्क के लिए तर्क (Trementum)

(फ) सर्वज्ञता

(ग) बुद्धिवाद

(ह) सार्वभौमिकता (Ecumenism)